विमुद्रीकरण से डिजिटल इकोनॉमी को लाभ

जयपुर @ पत्रिका. सरकार के नोटबंदी के फैसले से देश में डिजिटल इकोनॉमी को बूस्ट मिलेगा और कैशलेस सोसायटी तेजी से पैर पसारेगी। यह कहना है कट्स इंटरनेशनल के महासचिव प्रदीप एस मेहता का। वे यहां कट्स और सीआईआई की ओर से आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे थे। इस सेमिनार की थीम 'उत्तरी राज्य कैसे बने प्रतिस्पद्धी' थी। उन्होंने कहा कि डबल डिजिट की ग्रोथ के लिए देश में बड़ी संख्या में उद्योग लगाने होंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शहरी विकास मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान में निवेश को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार ने यहां लेबर रिफार्म, ई-गवर्नेंस, स्किल डवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में तेजी से सुधार किया है। सेमिनार में सीआईआई राजस्थान काउंसिल के चेयरमैन रजत अग्रवाल और अमरीका के राजदूत रिचर्ड राहुल वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ट्रेनिंग की शुरुआत: राजदूत रिचर्ड आर वर्मा ने सीसीएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग (एनआईएएम) में आयोजित इमर्जिंग ट्रेंड्स इन फ्रूट्स एंड वेजिटेबल मार्केटिंग पर ट्राइएंगुलर ट्रेनिंग की शुरुआत की। 16 से 30 नवंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 28 प्रतिभागी पहुंच चुके है। इस अवसर पर राजदूत वर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फलों एवं सब्जियों की मार्केटिंग के ग्लोबल ट्रेंड्स के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा तथा खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता की आवश्यकताओं को समझाया जाएगा। इस अवसर पर एनआईएएम की महानिदेशक इरिना गर्ग व एनआईएएम की महानिदेशक वी. उषा रानी भी उपस्थित थी।

पत्रिका Fri, 18 November 2016
epaper.patrika.com/c/1482506